भारत – सेनेगल संबंध

राजनीतिक संबंध :

डकार में एक रे जीडेंट भारतीय मिशन के साथ 1962 में राजदूत के स्तर पर दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं तथा लोकतंत्र, विकास एवं धर्मनिरपेक्षता के साझे मूल्यों पर आधारित है। दोनों ही देश गुट निरपेक्ष आंदोलन एवं जी-15 के सदस्य हैं। सेनेगल ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कई बार अफ्रीका के विकास के लिए भारत के सहयोग एवं सहायता की प्रशंसा की है। शहरी परिवहन, कृषि, मछली पालन, ग्रामीण विद्युतीकरण, मानव संसाधन विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य आदि जैसे क्षेत्रों में भारत के साझेदारी की यहां विशेष रूप से प्रशंसा की जाती है। पश्चिम अफ्रीका में प्रमुख फ्रेंच भाषी देश होने की वजह से सेनेगल ने टीम-9 के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा इस कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख लाभार्थी भी है।

वाणिज्यिक संबंध / द्विपक्षीय व्यापार :

मिलियन यूएस डॉलर में मूल्य

सेनेगल	भारत का निर्यात	भारत का आयात	कुल व्यापार	वृद्धि (प्रतिशत में)
2011-2012	365.05	84.14	449.19	8.03
2012-2013	490.24	0.39	490.63	9.23
2013-2014	426.48	153.60	580.08	18.23
2014-2015	518.72	208.13	726.85	25.30
2015-2016 (अप्रैल - सितंबर)	268.40	148.63	417.03	-

स्रोत : आयात - निर्यात डाटाबेस, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार

भारत की ओर से सेनेगल को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से टेक्सटाइल, खाद्य वस्तुएं, आटोमोबाइल एवं भेषज पदार्थ शामिल हैं। सेनेगल से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से फास्फेट तथा आयरन स्क्रैप शामिल हैं।

घटनाएं

वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में क्षमता निर्माण पर एक कार्यशाला आई आई एफ टी में अक्टूबर, 2010 में आयोजित की गई। तीसरा 'काले अफ्रीकी कला एवं संस्कृति विश्व महोत्सव' (एफ ई एस एम ए एन-III) का अयोजन डकार में दिसंबर, 2010 में हुआ। शहर एवं सिद्छी गोमा नाम की दो भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों, जिनको सेनेगल सरकार द्वारा आमंत्रित किया गया था, ने इस महोत्सव में अपनी कला का प्रदर्शन किया। फरवरी, 2011 में, फिक्की के एक महत्वपूर्ण शिष्टमंडल ने सेनेगल का दौरा किया तथा मंत्रियों से मुलाकात करने तथा सेनेगल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करने के अलावा इसने व्यवसाय दर व्यवसाय बैठकों तथा डकार चेंबर्स ऑफ कामर्स, इंडस्ट्रीज एंड एग्रीकल्चर में एक सम्मेलन भी भाग लिया। राष्ट्रपति के साथ ही सेनेगल के विदेश मंत्री ने भी मई, 2011 में अदिस अबाबा में भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस-2) के दूसरे सत्र में भाग लिया। जून, 2012 में ला लिंगूरे नाम की एक सांस्कृतिक मंडली ने भारत का दौरा किया तथा नई दिल्ली में अफ्रीका महोत्सव में भाग लिया। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ई ई पी सी) के शिष्टमंडल ने 16 से 20 जनवरी, 2013 के दौरान डकार का दौरा किया। कोडेसेर के सहयोग से भारतीय विश्व मामले परिषद (आई सी डब्ल्यू ए) ने 17-18 अक्टूबर, 2013 को डकार में ''भारत – फ्रेंच भाषी अफ्रीका : मुद्दे एवं

चुनौतियां'' पर एक शैक्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। सेनेगल के विदेश मंत्री श्री मानकेर नाडिया ने 14 से 17 जनवरी, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया। सेनेगल के संस्कृति एवं विरासत मंत्री श्री अब्दुल अजीज मबे ने 29 से 31 जनवरी, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया। भारतीय वैज्ञानिकों के एक समूह ने 10 से 12 जून, 2014 के दौरान डकार में ''अनुप्रयुक्त विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी में साझेदारी'' पर एक बैठक में भाग लिया। इसी माह के दौरान, एक भारतीय शिष्टमंडल ने डकार में आयोजित नौवें इंटरपोल वैश्विक कार्यक्रम में भाग लिया। मार्च 2015 में अफ्रीकी व्यापार नीति संस्थान (आई ए पी सी) के साथ मिलकर भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आई आई एफ टी) ने डकार में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर एक क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्रधानमंत्री के विशेष दूत (एस ई पी एम) और कृषि राज्य मंत्री डा. संजीव कुमार बालयान ने भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक III (आई ए एफ एस III) में भाग लेने के लिए सेनेगल के राष्ट्रपति श्री मैकी साल को निजी तौर पर आमंत्रित करने के लिए सेनेगल का दौरा किया। राष्ट्रपति साल ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया तथा विदेश मंत्री सहित अपने शिष्टमंडल के साथ 26 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान आई ए एफ एस 3 में भाग लिया। सेनेगल शिखर बैठक के दौरान अलग से सेनेगल में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए एक रोड शो का आयोजन करता है।

निवेश :

सेनेगल में भारत की ओर से सबसे बड़ा निवेश इंडस्ट्रीज किमिक डु सेनेगल (आई सी एस) में है : आईसीएस सेनेगल में एक फ्लैगशिप कंपनी है जो प्रचुर मात्रा में सेनेगल में उपलब्ध रॉक फास्फेट से फास्फोरिक एसिड बनाने का काम करती है। अनेक अन्य कंपनियां सेनेगल एवं इस क्षेत्र में सक्रिय हैं जिसमें टाटा ग्रुप (टाटा मोटर्स, टाटा यूनिटेक और टाटा अफ्रीका – सेनेगल), क्रिलोस्कर ब्रदर्स, एक्सपोटेक, सी एस एल लिमिटेड, एन आई आई टी, रैनबैक्सी, अजंता फार्मा, कोप्पिस टेक्नालॉजी लिमिटेड, लकी ग्रुप, इनमा इंटरनेशनल, मोहन एनर्जी आदि प्रमुख हैं। फरवरी 2015 में भारतीय कंपनी - जिंदल स्टील एण्ड पावर में कयार में 350 मेगावाट के विद्युत संयंत्र से बिजली की खरीद के लिए सेनेगल की सेनेलेक नामक कंपनी के साथ करार किया। विश्व बैंक की 'डुइंग बिजनेस इन 2015' रिपोर्ट के अनुसार सेनेगल सुधार करने वाले शीर्ष दस देशों में से एक था जिसका अभिप्राय भविष्य में भारत के लिए निवेश के अधिक अवसरों से है।

आईटीईसी तथा अन्य प्रशिक्षण एवं सहायता कार्यक्रम :

वित्त वर्ष 2015-2016 के लिए आई टी ई सी के तहत सेनेगल के लिए 15 स्लाट आवंटित किए गए हैं, जबकि शैक्षिक सत्र 2016-17 के लिए आई सी सी आर छात्रवृत्ति स्कीम के तहत सेनेगल को 10 छात्रवृत्तियों की पेशकश की गई है। अक्टूबर, 2014 में मिशन द्वारा आई टी ई सी कार्यक्रम की स्वर्ण जयंती मनाई गई। सेनेगल के चार वैज्ञानिकों ने वर्ष 2013-14 में अफ्रीकी शोधकर्ताओं के लिए सी वी रमन इंटरनेशनल फेलोशिप जीती और प्राप्त की है।

अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना का हब अर्थ स्टेशन सेनेगल के सेबिकोटाने गांव में स्थित है। फरवरी, 2009 में शुरू की गई यह परियोजना आज अफ्रीका के 47 देशों में क्रियाशील है। सेनेगल से चुनिंदा वस्तुओं के आयात के लिए भारत की ड्यूटी फ्री टैरिफ प्री फेरेंस (डी एफ टी पी) स्कीम लागू है। जी-15 सहयोग कार्यक्रम के तहत एक उद्यमी प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र (ई टी डी सी) स्थापित किया गया तथा इसका उद्घाटन 2002 में किया गया। भारत ने निम्नलिखित के लिए सेनेगल को रियायती ऋण सहायता प्रदान की है - (i) ग्रामीण एस एम ई का

विकास तथा भारत से कृषि मशीनरी एवं उपकरण की खरीददारी, (ii) टाटा इंटरनेशनल (टाटा मोटर्स) द्वारा बसों एवं पुर्जों की आपूति, (iii) सिंचाई परियोजना, (iv) महिला गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम तथा भारत से 400 वाहन प्राप्त करना, (v) आईटी क्षेत्र, हार्डवेयर और लॉजिस्टिक मूवमेंट, (vi) ग्रामीण विद्युतीकरण, (vii) मछली पालन उद्योग विकास परियोजना, (viii) भारत से रेलवे कोच एवं लोकोमोटिव प्राप्त करना, (ix) सेनेगल के चार अस्पतालालों को चिकित्सा उपकरणों आदि की आपूर्ति, और (x) आधुनिक सुविधाओंके साथ बूचड़खाना, टैनरी एवं पशुधन बाजार की स्थापना। अग्स्त 2014 में भारत ने चावल पर्याप्तता कार्यक्रम के लिए सेनेगल को 62.95 मिलियन अमरीकी डालर और अप्रैल 2015 में बसों की खरीद के लिए 26 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता मंजूर की। जनवरी 2015 में डांटेक अस्पताल, डकार में भारतीय ऋण सहायता से वित्त पोषित एक कार्डियोलॉजी यूनिट का उद्घाटन किया गया। कुल ऋण सहायता का मूल्य 300 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है।

एन आर आई की आबादी :

भारतीय समुदाय के सदस्यों की संख्या 380 (तीन सौ अस्सी मात्र) है। इनमें से अधिकांश भारतीय कंपनियों के लिए काम कर रहे हैं जिनमें भारत द्वारा प्रदान की गई ऋण सहायता के तहत विकास परियोजनाओं को कार्यान्वित करने वाले कार्यपालक भी शामिल हैं। इनमें से कुछ अपना स्वयं का कारोबार चला रहे हैं।

****

जनवरी, 2016